भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

05.12.2013 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या 10.

यूरेनियम का आयात

10. श्री ए. विलियम रबि बर्नार्ड :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत आगामी वर्षों में परमाणु संयंत्रों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर यूरेनियम के आयात हेतु नए देशों की खोज कर रहा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एन.पी.सी.आई.एल.) ने बारहवीं योजना के दौरान रिएक्टरों की संख्या में बढ़ोत्तरी करने और विद्युत उत्पादन में वृद्धि करके उसे 16,000 मेगावाट करने का निर्णय लिया है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन रिएक्टरों हेतु यूरेनियम की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने हेतु क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय

(श्री वी. नारायणसामी)

(क) जी, हाँ। परमाणु ऊर्जा विभाग विभिन्न देशों से यूरेनियम का आयात करने के लिए विकल्पों का पता लगा रहा है। हाल ही में, उजबेकिस्तान से यूरेनियम का आयात करने के लिए एक नए करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ख) जी, हाँ।

(ग) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, XII वीं पंचवर्षीय योजनावधि के अंत तक, सात नए रिएक्टरों, जो इस समय निर्माण और कमीशनिंग के विभिन्न चरणों पर हैं, के पूरा होने के बाद देश में नाभिकीय विद्युत की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 9980 मेगावाट तक हो जाएगी। इन सात रिएक्टरों में, रूसी डिजायन के दो आयातित साधारण जल रिएक्टर (एलडब्ल्युआर्ज़), चार स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्युआर्ज़) और एक स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) शामिल हैं। XII वीं योजनावधि में, न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा सोलह नए नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों, जिनकी कुल क्षमता 16100 मेगावाट होगी, का कार्य शुरु किया जाना प्रस्तावित है। इनमें 700 मेगावाट क्षमता वाले आठ स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्युआर्ज़), जिनकी कुल क्षमता 5600 मेगावाट होगी और अंतर्राष्ट्रीय सहकार पर आधारित आठ साधारण जल रिएक्टर (एलडब्ल्युआर्ज़), जिनकी कुल क्षमता 10500 मेगावाट होगी, शामिल हैं। साधारण जल रिएक्टरों में आयातित ईंधन को ईंधन के रूप में उपयोग में लाया जाएगा और तत्संबंधी वाणिज्यिक करारों में संपूर्ण जीवन काल के लिए ईंधन की आपूर्ति करने हेतु आवश्यक प्रावधानों को शामिल किया जाएगा। दाबित भारी पानी रिएक्टरों के मामले में, यूरेनियम आधारित ईंधन के स्त्रोत के बारे में निर्णय, चाहे वह स्वदेशी हो अथवा आयातित, सरकार द्वारा उपयुक्त समय पर लिया जाएगा। प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में, प्लूटोनियम और यूरेनियम के मिश्रित ऑक्साइड पर आधारित स्वदेशी ईंधन को उपयोग में लाया जाएगा।

* * * * * * *